राष्ट्रदूत जयपुर, 8 दिसम्बर, 2017

सरकार को राजधर्म निभाते हुए नीति निर्माण करना चाहिए : अरोड़ा

जयपुर, (का.सं.)। चुनाव आयुक्त सुनील अरोड़ा ने कहा कि सरकारों को राजधर्म के सिद्धांत को ध्यान में रखते हुए नीति निर्माण और उनका क्रियान्वयन करना चाहिए। कौटिल्य का अर्थशास्त्र राजा को असीमित शक्तियां प्रदान करता है लेकिन उसमें उल्लेख है कि प्रजा की खुशी में ही राजा की खुशी है और प्रजा के कल्याण में ही राजा का कल्याण निहित है। इस आयोजन में प्रतिभाशाली छात्र-

■ **'शुद्ध एवं त्रुटि रहित मतदाता सूची लोकतन्त्र का आधार'**

छात्राओं को स्कॉलरशिप के चैक भी प्रदान किए गए।

अरोड़ा हरिश्चन्द्र माथुर राजस्थान राज्य लोक प्रशासन संस्थान में आज मीठा लाल मेहता मेमोरियल फाउंडेशन द्वारा शासन और नीति निर्माण विषय पर आयोजित तृतीय मीठा लाल मेहता स्मृति व्याख्यानमाला को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मेरा उनके साथ गहरा जुड़ाव रहा था, उनका व्यक्तित्व ऐसा था कि उनसे रोज सीखने को मिलता था। उन्होंने कहा कि उनका महात्मा गांधी के ट्रस्टीशिप के सिद्धांत में गहरा विश्वास था और उसी के अनुसार कार्य करते थे।

देश के चुनाव आयुक्त सुनील अरोड़ा ने गुरूवार को ओटीएस सभागार में पूर्व मुख्य सचिव स्व. मीठालाल मेहता के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। फोटो-राष्ट्रदूत

उन्होंने कहा कि मेहता समाज के अंतिम व्यक्ति को ध्यान में रखकर नीतियां बनाते थे। उन्होंने कहा कि उन्होंने अंत्योदय योजना जैसी कई जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से आम लोगों को फायदा पहुंचाया।

वहीं अरोड़ा ने मैरियट होटल में निर्वाचन विभाग से सम्बन्धित विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान-2018 की समीक्षात्मक बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिये कि शुद्ध एवं त्रुटि रहित मतदाता सूची लोकतन्त्र का आधार है इसलिए त्रुटि रहित मतदाता सूची के लिये निरन्तर प्रयास किये जाये।

उन्होंने राज्य में अब तक किये गये चुनाव से सम्बन्धित कार्यों की सराहना करते हुए समन्वय से कार्य करने के निर्देश दिए। चुनाव आयुक्त ने जयपुर जिले के जिला निर्वाचन अधिकारी, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों, सुपरवाईजर्स एवं बीएलओ के साथ भी चर्चा कर फील्ड में किए जा रहे कार्यों के बारे में फीडबैक लिया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी अश्विनी भगत ने बताया गया कि अब तक राज्य में संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान के अन्तर्गत 11 लाख से अधिक फार्म प्राप्त हो चुके है जिनका निस्तारण किया जा रहा है।